

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 0 119]

मई विल्ली, स[्]रवार, ग्रप्नैल 17, 1972/वीत्र 28, 1894

No. 119] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 17, 1972 CHAITRA 28, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अक्षम संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th April 1972

G.S.R. 249(E).—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President, with the consent of the Government of Meghalaya, hereby entrusts to that Government, the functions of the Central Government under the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894), (except the function exercisable by the Central Government under the proviso to sub-section (1) of section 55 of that Act), in relation to the acquisition of land for the purposes of the Union in the State of Meghalaya, subject to the following conditions, namely:—

- (a) that in the exercise of such functions, the Government of Meghalaya shall comply with such general or special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and
- (b) that notwithstanding the entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said function should it deem fit to do so in any case.

[No. F. 3-28/70-Lands.]

B. B. VOHRA, Jt. Secy.

कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)

श्रमधिसू वना

नई दिल्ली, 15 म्रप्रैल, 1972

सार कार निर्ण 219(म्र) — संविधान के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, मेघालय सरकार की सम्मति से एतद्वारा उस सरकार को मेघालय राज्य में संघ के प्रयोजनों के लिए भूमि अर्जन के संबंध में, भूमि अर्जन क्राधिनियम, 1894 (1894 का 1) के अधीन केन्द्रीय सरकार के छ्रूर्य (उस अधिनियम की धारा 55 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अयोक्तव्य छुरय को छोड़कर), निम्नलिखित शतों के अधीन सौंपते हैं, अर्थात :---

- (क) यह कि ऐसे फ़ुत्यों का प्रयोग करने में मेवालय सरकार ऐसे साधारण या विशेष निदेशों का ग्रनुपःलन करेगी जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे, ग्रीर
- (ख) यह कि इन फ़ुत्यों के सौंपे जाने पर भी केन्द्रीय सरकार, यदि किसी भामले में वह एसा करना ठीक समझे तो, उक्त क़ुत्यों में से किसी का प्रयोग स्वयं कर सकेगी। [सं० एक 3-28/70-लैंण्ड्स]

बी० बी० योहरा, संयुक्त सम्विव ।